• क्या है...

रत्न संसार...

रत्न किसे कहते हैं यह एक बुनियादी सवाल है। इसलिए सबसे पहले इसे जानना सबसे ज्यादा जरूरी है। यूं तो रत्न एक किस्म के पत्थर ही होते हैं, लेकिन सभी पत्थर रत्न नहीं कहे जाते। इस बात को बेहतर ढंग से समझ लिया जाए तो हम रत्न को पत्थरों में से छांठकर निकाल सकते हैं। उनकी शिनाख्त कर सकते हैं और फिर उन्हें अपने दैनिक जीवन में बेहतर उपयोग कर सकते हैं

यदि ऐसा न करके, हम बिना सोचे समझे रत्नों का इस्तेमाल करते हैं तो उसका उल्टा असर भी पड़ता है। ऐसी स्थिति में हमें नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए रत्नों का उपयोग जांच परख तथा सोच विचारकर करना चाहिए।

कुछ पत्थर के पदार्थों के गुण चरित्र एवं विशेषताएं ऐसी होती हैं, जिन्हें देखते ही रत्न कह दिया जाता है। जैसे हीरा, माणिक्य, वैदूर्य, नीलम, पुखराज, पन्ना आदि को लोग रत्नों के नाम से पुकारते हैं। वास्तव में यह सारे पत्थर हैं लेकिन बेशकीमती पत्थर। अंग्रेजी में इन्हें प्रिशियस स्टोन (बहुमूल्य पत्थर) कहते हैं।

रत्न का विशेष अर्थ श्रेष्ठतत्व भी है, इसी वजह से इसे खास व्यक्ति को उनके महत्वपूर्ण कार्य के लिए रत्न शब्द से विभूषित किया जाता है। इतना ही नहीं भाग्य परिवर्तन में भी रत्न अपना प्रभाव दिखाता है। पृथ्वी के अंदर लाखों वर्षों तक पड़े रहने के कारण उसमें पृथ्वी का चुंबक तत्व तथा तेजसव आ जाता है।

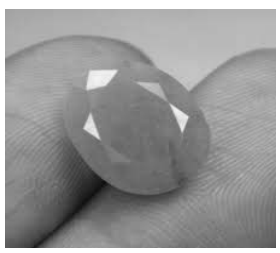

पृथ्वी के जिस क्षेत्र में जिस ग्रह का असर अधिक होता है, उस क्षेत्र के आसपास उस ग्रह से संबंधित रत्न अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। वास्तव में पृथ्वी ग्रहों के सहयोग से अपने अंदर रत्नों का निर्माण करती है, अत: इसे रत्न भी कहा जाता है।

रत्न के प्रकार: भौगोलिक दृष्टि से रत्न तीन प्रकार के होते हैं। इनमें पहला रत्न खनिज रत्न है। खनिज रत्न खदानों से प्राप्त किए जाते हैं। दूसरे जैविक रत्न होते हैं जिन्हें समुद्र से प्राप्त किया जाता है और तीसरे वनस्पतिक रत्न होते हैं।

• रात में...

चौंककर जागना...

अच्छी सेहत के लिए हेल्दी डाइट के साथ पूरी नींद लेना भी बहुत जरूरी है। दिन में भले ही आप थकान मिटाने के लिए पावर नैप ले लें लेकिन बॉडी को रिपेयर करने का काम रात की नींद के दौरान ही होता है। मगर मौजूदा लाइफस्टाइल में अच्छी और पूरी नींद का मिल पाना मुश्किल नजर आता है। कई लोगों को तनाव और व्यस्तता के कारण अच्छी नींद नहीं मिल पाती है। दिमाग में कुछ सोचते रहने की वजह से भी नींद नहीं आ पाती है। आप रात में सुकूनभरी नींद पाने के लिए वास्तु उपायों की मदद ले सकते हैं। जानते हैं उन आसान से वास्तु टिप्स के बारे में जिन्हें अपनाकर आप चैन की नींद सो सकेंगे और सेहतमंद रहेंगे।

▶▶ अगर आप जीवन में किसी बड़ी समस्या का सामना कर रहे हैं और उस कारण से बेचैन रहते हैं तो रात में सोते समय तकिये के नीचे मूली रखें। सुबह के समय इस मूली को आप शिवलिंग पर चढ़ा दें और प्रार्थना करें। इस उपाय से आपकी परेशानियां दूर होंगी और राहत मिलेगी। मूली से जुड़ा ये उपाय राहु का दोष भी खत्म करने में मदद करता है।

▶▶ आप रात में सोते समय अपने माता-पिता का स्मरण करें। इसके अलावा आप अपने कुल देवता को भी प्रणाम करें। इससे आप पर उनका आशीर्वाद बना रहेगा और आपकी नींद में किसी तरह की खलल नहीं पड़ेगी।

▶▶ मन में बेचैनी चल रही है तो सिरहाने के नीचे भगवान को अर्पित किया हुआ फूल रखकर सोएं। इससे आपका मन शांत रहेगा और सुकून भरी नींद भी आएगी। आपके लिए दुर्गा सप्तसती का पाठ करना भी फायदेमंद रहेगा।

▶▶ ऐसा माना जाता है कि आसपास लोहे से बनी कोई वस्तु रहने से नकारात्मक ऊर्जा पास नहीं आती है। आप अच्छी नींद के लिए रात में तकिये के नीचे लोहे की छोटी सी वस्तु रख दें। आपने देखा होगा कि जिन घरों में बच्चे होते हैं और अगर वो रात में डर कर उठ जाते हैं तो उनके आसपास भी लोहे का सामान रखा जाता है।

▶▶ अगर आपके मन में किसी चिंता की वजह से नींद नहीं आ रही है या किसी डर की वजह से बुरा सपना आता है और उसकी वजह से आप चौंककर उठ जाते हैं तो आपको बजरंगबली की शरण में जाना चाहिए। आप रोजाना सोने से पूर्व हनुमान चालीसा या फिर सुंदरकांड का पाठ करें। आपके मन से भय दूर होगा और राहत मिलेगी। आप चाहें तो अपने सिरहाने के पास हनुमान चालीसा या सुंदरकांड रखकर सोएं।

फेंगशुई ड्रैगन...

फेंगशुई वास्तु के अनुसार घर के मुख्यद्वार के बाहर काला कछुआ, सफेद बाघ एवं हरा ड्रैगन होते हें जो घर को सुरक्षा प्रदान करता हैं। लेकिन इनमें भी फेंगशुई वास्तु में ड्रेगन को चार दिव्य प्राणियों में गिना जाता है।

माना जाता हैं कि घर में ड्रैगन की मूर्ति या चित्र अवश्य रखना चाहिए। यह सौभाग्य और सफलता लेकर आता हैं...

चीन के अलावा दुनियाभर में फेंगशुई काफी लोकप्रिय हो गया हैं। लोग इससे जुड़ी मान्यताओं को काफी मनाने लगे हैं। फेंगशुई चायनीज वास्तु हैं, इसमें पशु-पक्षियों पर काफी महत्व दिया जाता हैं। फेंगशुई विज्ञान अधिक से अधिक सकारात्मक ऊर्जा पाने के लिए ऐसे उपायों पर जोर देता हैं जिनमें कम से कम पैसे और समय का इस्तेमाल होता हैं। फेंगशुई वास्तु के अनुसार घर के मुख्यद्वार के बाहर काला कछुआ, सफेद बाघ एवं हरा ड्रैगन होते हें जो घर को सुरक्षा प्रदान करता हैं। लेकिन इनमें भी फेंगशुई वास्तु में ड्रेगन को चार दिव्य प्राणियों में गिना जाता है। माना जाता हैं कि घर में ड्रैगन की मूर्ति या चित्र अवश्य रखना चाहिए। यह सौभाग्य और सफलता लेकर आता हैं।

● हरे रंग का ड्रेगन स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी माना जाता है, तो गोल्डन रंग का ड्रेगन समृद्धि का परिचायक है। वहीं अपने पंजे में मोती या क्रिस्टल लिए हुए ड्रेगन समृद्धि, शक्ति व अवसरों को प्रदान करता है। इसके अलावा पंजे में मोती या क्रिस्टल दबाए हुए ड्रेगन को दरवाजे या खिड़की के पास बाहर की ओर मुख करके नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से आर्थिक क्षति होगी।

● ड्रैगन प्रेम और शक्ति का प्रतीक है। ड्रैगन बड़ों को सही रास्ता दिखाने का काम करता है, परिवार के सम्मान में बढ़ोत्तरी करता है। इसके अलावा इससे शादीशुदा लाइफ भी अच्छी रहती हैं। यह परिवार को सुरक्षा देता है और उसे बुरी शक्तियों से बचाता है। अगर आप अपने करियर में सफलता पाना चाहती हैं तो पूर्व दिशा में रखें। इससे आपका फोकस बढ़ेगा और आप करियर में अच्छा करने के लिए सही फैसले ले पाएंगे।

● ड्रेगन फेंगशुई की यांग ऊर्जा यानी पुरुष शक्ति का परिचायक है। चीनी लोग गर्भाधान में सौभाग्य को भी ड्रैगन से जोड़कर देखते हैं, जो उर्वरता का प्रतीक है तथा नई शुरुआत से संबद्ध है।

● ड्रैगन के सिर वाले कछुए को भी मंगलकारी बताया गया है, जो दीर्घ जीवन, सुरक्षा, साहस और सफलता प्रदान करने वाला माना जाता है। हालांकि इस प्रतीक को घर में कहीं भी रखा जा सकता है, परंतु उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व में रखने से विशेष लाभ संभव है।

● पढ़ने वाले बच्चे इसे अपनी स्टडी टेबल पर रखें। इससे बच्चों की एकाग्रता बढ़ाती है और बच्चों की याददाश्त बढ़ाता हैं। इसके अलावा आजकल फैशन जूलरी में ड्रैगन को खूब पसंद किया जा रहा हैं।

कहां और कितने रखें

▶ ड्रैगन को घर में कहां रखा जाए, इसका ख्याल रखना जरूरी है। इसे कभी भी कम ऊर्जावान स्थलों जैसे बाथरूम, गैराज, या स्टोररूम में नहीं रखना चाहिए। एक और विशेष बात यह कि इसे कभी भी अपनी आंखों से समानांतर से अधिक ऊंचाई पर नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से इसकी ऊर्जा का अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता है। इससे अधिक लाभ पाने के लिए घर में किसी खुले स्थान या खुले स्थान के निकट रखना चाहिए। ध्यान रहे कि ड्रेगन का मुंह भीतर की ओर हो। लेकिन इसे दीवार के एकदम नजदीक न रखें। घर में आप एक से अधिक ड्रेगन भी रख सकते हैं, लेकिन फेंगशुई कहता है कि इनकी संख्या 5 से अधिक न हो तो बेहतर है।

• जरकन...

हीरे का उपरत्न...

हीरा एक बेहद महंगा रत्न माना जाता है। अगर जातक हीरा न खरीद पाए तो इसके स्थान पर जरकन, फिरोजा, ओपल, सिम्मा, कुरंगी, दतला, कंसला और तंकू हीरा जैसे रत्न भी धारण कर सकता है। यह सभी उपरत्न भी हीरे के समान ही फल देते हैं।

जो व्यक्ति हीरा नहीं खरीद सकते, उन्हें हीरे का उपरत्न पहनना चाहिए। इनकी कीमत हीरे की अपेक्षा कम होती है। इन रत्नों में भी जरकन आसानी से प्राप्त हो जाता है।

वृषभ तथा तुला राशि के जातकों के लिए बेहद फायदा पहुंचाने वाला बेदाग एवं स्वच्छ हीरा शुक्र की पीड़ा को भी शांत करता है। इसी वजह से नकली हीरा एवं जरकन देकर लोगों को ठग लिया जाता है, जिससे संबंधित व्यक्तियों को अपेक्षा अनुरूप लाभ नहीं मिल पाता है। रत्न ज्योतिष के अनुसार, हीरा जितना अधिक भारी होगा, उतना ही वो लाभकारी भी होगा। हीरे को अंगूठी या हार के रूप में पहना जाता है। ज्योतिषीय प्रभाव के लिए हीरा अंगूठी में जड़वाकर शुक्रवार के दिन पहनना चाहिए। इससे जातक को व्यापार, फिल्म उद्योग तथा कला क्षेत्र में अपेक्षित सफलता मिलती है।

• ये भी...

किसी भी सिद्ध मंदिर के परिसर में छोटे–छोटे पत्थरों से एक छोटा सा घर बनाएं। घर बनने के बाद वहां भगवान की पूजा करें और अपना घर बनावाने के लिए भगवान से प्रार्थना करें। यह एक प्राचीन और चमत्कारी उपाय है। यह उपाय करने से कुछ ही समय में इसका सकारात्मक परिणाम दिखाई देने लगेगा। बहरहाल इन घर के लिए टोटके को आजमाकर अगर आपके आशियाने का सपना हकीकत में बदल सकता है तो फिर इन्हे आजमाने में आखिर हर्ज ही क्या है।